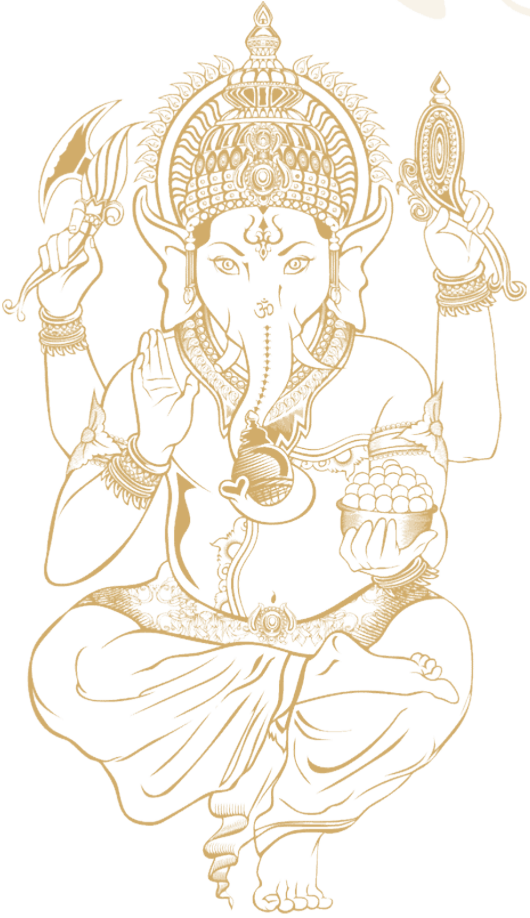

# Mr.anurag

# Sipra

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120566501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120566501 | Date: 15/12/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 24/06/1995 | जन्म तिथि | 10/11/1997 |
| शनिवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 06:20:00 | जन्म समय | 06:50:00 घंटे |
| घटी 03:16:49 | जन्म समय(घटी) | 01:55:46 घटी |
| India | देश | India |
| Jahanabad | स्थान | Ghazipur |
| 25:13:00 उत्तर | अक्षांश | 25:36:00 उत्तर |
| 84:59:00 पूर्व | रेखांश | 83:36:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:09:56 | स्थानिक संस्कार | 00:04:24 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:01:16 | सूर्योदय | 06:09:47 |
| 18:43:21 | सूर्यास्त | 17:09:11 |
| 23:47:47 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:49:32 |
| मिथुन | लग्न | वृश्चिक |
| बुध | लग्न लग्नाधिपति | मंगल |
| मेष | राशि | कुम्भ |
| मंगल | राशि-स्वामी | शनि |
| भरणी | नक्षत्र | पू०भाद्रपद |
| शुक्र | नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| 4 | चरण | 1 |
| सुकर्मा | योग | व्याघात |
| कौलव | करण | गर |
| लो-लोकेश | जन्म नामाक्षर | से-सेविका |
| कर्क | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |
| क्षत्रिय | वर्ण | शूद्र |
| चतुष्पाद | वश्य | मानव |
| गज | योनि | सिंह |
| मनुष्य | गण | मनुष्य |
| मध्य | नाड़ी | आद्य |
| मृग | वर्ग | मेष |


jyotirved vigyaan
Block,1st Floor,Chanakya Plaza, Kankarbagh Main Road,Above Bhaiya Ji Khadi Bhandar, Kankarbagh, Patna - 800020 (Near Chandan Automobile)
9835882652
Raghavjha0108@gmail.com

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | |
|---|---|
| शुक्र 2वर्ष 10मा 8दि | |
| राहु | |
| 02/05/2021 | |
| 03/05/2039 | |
| राहु | 13/01/2024 |
| गुरु | 08/06/2026 |
| शनि | 14/04/2029 |
| बुध | 01/11/2031 |
| केतु | 19/11/2032 |
| शुक्र | 20/11/2035 |
| सूर्य | 13/10/2036 |
| चन्द्र | 14/04/2038 |
| मंगल | 03/05/2039 |

| अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश |
|---|---|---|---|---|
| 24:53:43 | मिथु | लग्न | वृश्चि | 01:46:17 |
| 08:16:53 | मिथु | सूर्य | तुला | 23:51:22 |
| 24:45:42 | मेष | चंद्र | कुंभ | 22:03:36 |
| 20:47:08 | सिंह | मंगल | धनु | 06:47:39 |
| 17:45:55 | वृष | बुध | वृश्चि | 09:35:42 |
| 14:00:17 | वृश्चि व | गुरु | मक | 20:00:19 |
| 22:28:17 | वृष | शुक्र | धनु | 10:49:40 |
| 00:49:44 | मीन | शनि व | मीन | 20:51:04 |
| 10:21:24 | तुला व | राहु | सिंह | 24:08:05 |
| 10:21:24 | मेष व | केतु | कुंभ | 24:08:05 |
| 05:45:06 | मक व | हर्ष | मक | 11:12:40 |
| 00:58:18 | मक व | नेप | मक | 03:38:18 |
| 04:33:07 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 10:57:29 |

| विंशोत्तरी | |
|---|---|
| गुरु 13वर्ष 6मा 10दि | |
| शनि | |
| 22/05/2011 | |
| 22/05/2030 | |
| शनि | 25/05/2014 |
| बुध | 01/02/2017 |
| केतु | 13/03/2018 |
| शुक्र | 12/05/2021 |
| सूर्य | 24/04/2022 |
| चन्द्र | 24/11/2023 |
| मंगल | 01/01/2025 |
| राहु | 08/11/2027 |
| गुरु | 22/05/2030 |

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

**23:47:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:32**

## लग्न-चलित

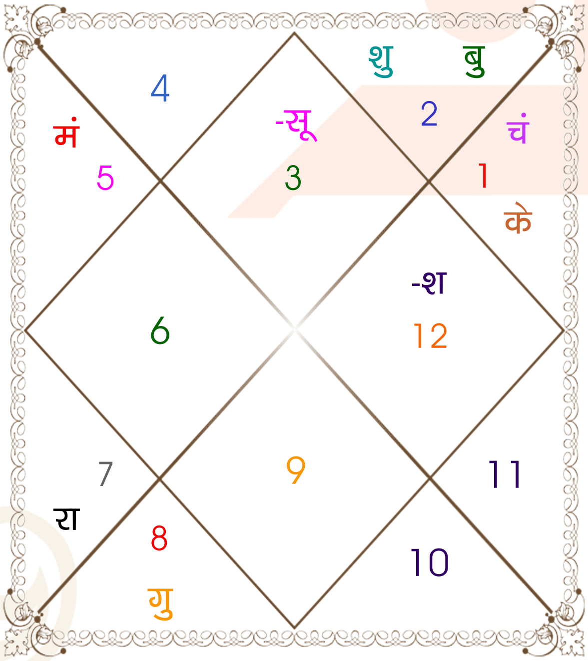


## लग्न-चलित

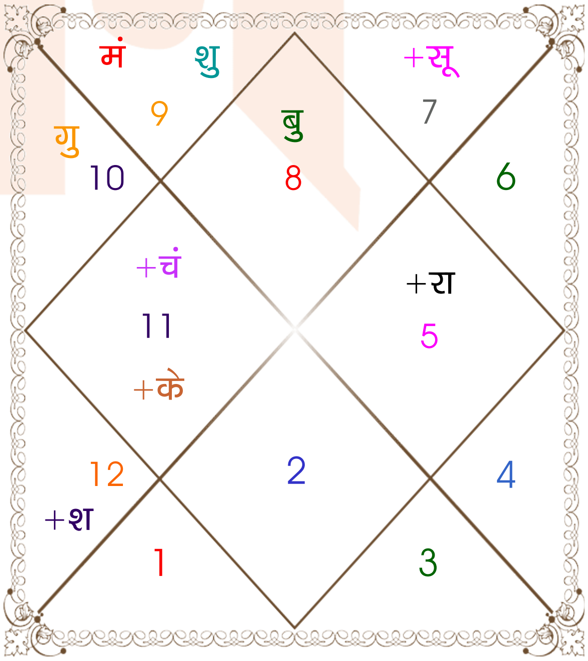



jyotirved vigyaan
Block,1st Floor,Chanakya Plaza, Kankarbagh Main Road,Above Bhaiya Ji Khadi Bhandar, Kankarbagh, Patna - 800020 (Near Chandan Automobile)
9835882652
Raghavjha0108@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | सिंह | 4 | 0.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शनि | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.00 | | |

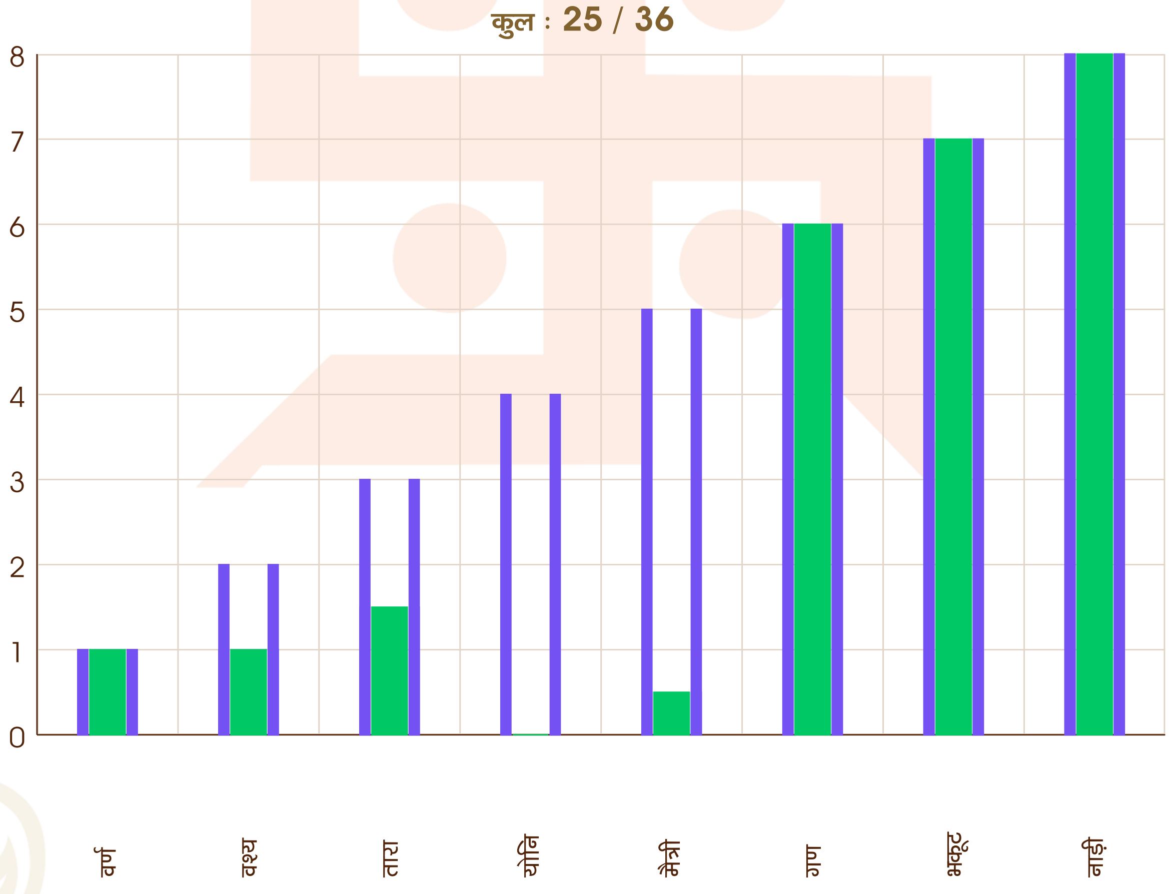

# अष्टकूट मिलान

Mr.anurag का वर्ग मृग है तथा Sipra का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.anurag और Sipra का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.anurag मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Sipra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Mr.anurag तथा Sipra में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Mr.anurag का वर्ण क्षत्रिय तथा Sipra का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Sipra वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Mr.anurag से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

## वश्य

Mr.anurag का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Sipra का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Mr.anurag एवं Sipra एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Sipra क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

## तारा

Mr.anurag की तारा प्रत्यरि तथा Sipra की तारा साधक है। Mr.anurag की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Mr.anurag कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Sipra को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

## योनि

Mr.anurag की योनि गज है तथा Sipra की योनि सिंह है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना

चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.anurag का राशि स्वामी Sipra के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Sipra का राशि स्वामी Mr.anurag के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

## गण

Mr.anurag का गण मनुष्य तथा Sipra का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

## भकूट

Mr.anurag से Sipra की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Sipra से Mr.anurag की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.anurag परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Sipra हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

## नाड़ी

Mr.anurag की नाड़ी मध्य है तथा Sipra की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Mr.anurag की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है जबकि Sipra की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायुतत्व में मित्रता के कारण इनके परस्पर संबधों में मित्रता का आभास रहेगा। साथ ही Sipra Mr.anurag की शारीरिक आकर्षण की अपेक्षा बुद्धिमता के भाव पर विशेष केंद्रित रहेंगी तथापि यदि Mr.anurag Sipra को यथोचित सहयोग प्रदान करें तो जीवन में मधुरता के भावों में वृद्धि हो सकती है।

Mr.anurag का राशि स्वामी मंगल Sipra की राशि स्वामी शनि का शत्रु तथा Sipra का राशि स्वामी शनि मंगल का सम है। अतः परस्पर सुख शांति एवं सदभाव के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। ऐसे योग में समस्याओं दोनों तरफ से उत्पन्न होगी। इससे परस्पर ईर्ष्या का भाव विद्यमान रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। यदि परस्पर ईर्ष्या के भाव का त्याग किया जाय तो संबधों में स्नेह के भाव की वृद्धि हो सकती है।

Mr.anurag और Sipra की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं परस्पर संबधों में ईमानदारी स्नेह एवं आत्मसमर्पण का भाव सदैव विद्यमान रहेगा। साथ ही परस्पर मतभेदों को आप आपस में स्पष्ट चर्चा के द्वारा सुलझाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

Mr.anurag का वश्य चतुष्पद तथा Sipra का वश्य मानव है। इनमें नैसर्गिक शत्रुता का भाव होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में यत्न से ही सफलता मिलेगी।

Mr.anurag का वर्ण क्षत्रिय तथा Sipra का वर्ण शूद्र है। अतः Mr.anurag कार्य क्षेत्र में प्रभावी पराक्रमी तथा परिश्रमी होंगे तथा Sipra में कर्तव्य परायणता का भाव विद्यमान रहेगा चाहे वह किसी भी प्रकार का कार्य हो।

## धन

Mr.anurag और Sipra की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Mr.anurag एवं Sipra की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.anurag और Sipra की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Mr.anurag को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Mr.anurag

और Sipra धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

## स्वास्थ्य

Mr.anurag की नाड़ी मध्य तथा Sipra की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

## संतान

संतति की दृष्टि से Mr.anurag और Sipra का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.anurag और Sipra को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr.anurag और Sipra के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Sipra का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Sipra के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Sipra सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr.anurag और Sipra को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr.anurag और Sipra का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

## ससुराल-सुश्री

Sipra के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Sipra धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Sipra के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा

वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Sipra का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Sipra से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

## ससुराल-श्री

Mr.anurag के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.anurag अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.anurag के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.anurag के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।